रजिस्टडं न0 पी 0/एस 0 एम 0 14.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बीरवार. ७ श्रत्रेल, 1983/17 चैंब, 1905

हिमाचल प्रदेश सरकार

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT ORDER

Shimla-171002, the 23rd March, 1983

No. EXN. D(6)-1/77-Part-11.—In exercise of the powers vested under section 10 of the Himachal Pradesh Passengers and Good's Taxation Act, 1955 (Act No. 15 of 1955), the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to exempt the handicapped persons with 50% disability from the payment of Passengers Tax and Surcharge leviable under the said Act with immediate effect

By order, S. M. KANWAR,

(447)

मन्य : 20 वैमें

FOOD AND SUPPLIES DEPARTMENT

NOTIFICATION

Mandi, the 18th March, 1983

No. FDS. MND (A) (3) 48/81-III-2531-2617.—In continuation of this office notification circulated vide Endst. No. FDS. MND. (A) (3) 48/81-II-865-950 dated 4-2-83 and in exercise of the powers conferred upon me under clause 3 (i) (e) of the H. P. Hoarding & Profiteering Prevention Order, 1977, I, S. Vijay Kumar, District Magistrate, Mandi (H. P.), do hereby order that the rates so fixed vide notification under reference above shall continue to remain in force, for a period of next two months i e. upto 3-5-1983, except in case of items at S. No. 3, for which rates will be notified separately.

S. VIJAY KUMAR, District Magistrate, Mandi.

खाद्य एवम् ऋ।पूर्ति विभाग

ग्रधिस्चना

जिमला-171002, 24 मार्च, 198**3**

मंद्या एफ 0 डी 0 एस 0 ए 0 (3)-15/80.—भारत सरकार, कृषि मन्त्रालय (खाद्य विभाग) के जी 0 एस 0 ग्रार 0 मंद्या 800, दिनांक 9 जून, 1978 के ग्रद्ययन सहित ग्रावण्यक बस्तु ग्रिधिनयम, 1955 (1955 का केंन्द्रीय संक्रि 10) को धारा 3 के ग्रन्तगंत शक्तयों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, राजपत्र हिमाचल प्रदेश में दिनांक 23 मई, 1981 को प्रकाशित हिमाचल प्रदेश च्यापारिक वस्तुएं (ग्रनुजापन ग्रीर नियन्त्रण) ग्रादेश, 1981 में ग्रीर मंगोधन करने हेतु सह्यं निम्निविद्य ग्रादेश देते हैं, ग्रथितः—

- 1. संक्षिप्त नाम श्रीर प्रारम्म.—(1) यह श्रादेश हिमाचल प्रदेश व्यापारिक वस्तुएं (श्रनुज्ञापन श्रीर नियन्त्रण) (द्वितीय मंशोधन) श्रादेश, 1983 कहलाएगा ।
 - (2) इसका विस्तार सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश राज्य में होगा ।
 - (3) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।
- 2. प्रतुमुची-2 के मांग 4 में संसोधन → उक्त आदेश की अनुमूची-2 को वर्तमान प्रविष्टि-4 में अक्षर "खांडसारी" के प्रश्चात चित्र और अक्षर गृड जोडा जातगा।

झादेशानुसार, झतर सिंह, झायुक्त एवं सचिव।

FOOD AND SUPPLIES DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 24th March, 1983

No. FDS. A(3) 15/80.—In exercise of the powers conferred under section 3 of the Essential

Commodities Act, 1955 (Central Act 10 of 1955) read with Government of India, Ministry of Agriculture (Deptt. of Food) published under G. S. R. No. 800, dated 9th June, 1978, the Governor, Himachal Pradesh hereby makes the following order further to amend the Himachal Pradesh Trade Articles (Licensing & Control) Order, 1981, published in the Rajpatra dated 23-5-1981, namely:—

- 1. This order may be called the Himachal Pradesh Trade Articles (Licensing and Control) (2nd Amendment) Order, 1983.
 - (ii) It extends to the whole of the State of Himachal Pradesh.
- 2. Amendment of item No. 4 of Schedule-II.—In the existing item No. 4 of Schedule II of the above order the sign and word Gur shall be added after the world "Khandsari".

By order, ATTAR SINGH, Commissioner-cum-Secretary.

पंचायती राज विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला-2, 26 मार्च, 1983

संख्यापी० सी०एच०-एच०ए० (4)-1/77.—हिमाचल प्रदेश सरकार की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 25 ग्रगस्त, 1981 जो पंचायत समिति चच्योट के श्रीधिकमण से सम्बन्धित है, में ग्रंकित शब्द ''सब-डिविजनल मैजिस्ट्रेट, मण्डी'' के वजाय ''उप-मण्डलाधिकारी (नागरिक), चच्योट'' पढ़ा जाये ।

> वी 0 सी 0 नेगी, सचिव।

शिमला-2, 26 मार्च, 1983

संख्या पी0 सी0-एच 0एच 0एच 0ए (4)-6/79.—हिमाचल प्रदेश पंचायती राज प्रधिनियम, 1968 (1970 का प्रधिनियम सं0 19) की घारा 154 म निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायत समिति पूह, जिला किन्तीर, हिमाचल प्रदेश को अधिकमण (supersede) करने का सहर्ष आदेश देते हैं क्योंकि यह पंचायत समिति गणपूर्ति (quorum) के अभाव के कारण हिमाचल प्रदेश पंचायतो राज अधिनियम, 1968 के अधीन या द्वारा सौंपे गए अपने कर्तव्यां को निमाने में सक्षम नहीं।

राज्यताल, हिमाचन प्रदेश अगर कथित अबिनियम की धारा 155(1) (बी) में निहित मक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त पंचायत समिति के पुतःस्यागना तथा कार्य प्रारम्भ करने के समय तक के लिए उप-मण्डलाधिकारी (नागरिक), कत्ता, जिता किन्तौर को पंचायत सभिति दूह को पूर्ण भक्तियों का प्रयोग करने तथा उन्हें निभाने हुँ तु नियुक्त करने का सहयं भादेश देते हैं।

> मादेश से, बी0 सी0 नेगी, सचिव